हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, सोमवार, 12 मई 2025

तापमान

अधिकतम 40 .4 डिग्री
न्यूनतम 20 .5 डिग्री

11 प्रशासन ने की सायरन टेस्टिंग, रिहर्सल ...

12 विकसित भारत के निर्माण मे प्रतिभावान युवाओं ...

खबर संक्षेप

बीपीएड-डीपीएड सेमेस्टर की परीक्षाएं 19 से

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय की बीपीएड और डीपीएड दूसरे व चौथे सेमेस्टर की रेगुलर, री-अपीयर व इंप्रूवमेंट तथा तीसरे सेमेस्टर की केवल री-अपीयर, सभी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की प्रथम सेमेस्टर की री-अपीयर तथा दूसरे सेमेस्टर की रेगुलर व री-अपीयर की परीक्षाएं 19 मई से प्रारंभ होंगी। परीक्षा नियंत्रक प्रो. गुलशन लाल तनेजा ने बताया कि उपरोक्त परीक्षाओं की डेटशीट विश्वविद्यालय वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी।

अब तक 304405 मीट्रिक टन गेहूं खरीदी

रोहतक। जिला की मंडियों में अभी तक 304405.15 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई है। इसमें कलानौर मंडी में एफसीआई द्वारा 10728 व हरियाणा राज्य वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन द्वारा 21926 , किलोई मंडी 28479.20 , लाखनमाजरा मंडी में 26837.80 , मदीना मंडी में 14890.70 , महम मंडी 54207.10 , रोहतक मंडी में 82298.85 , सांपला मंडी में 46224.80 व सांघी मंडी में 18812.70 मीट्रिक टन की खरीद की गई है।

साधुओं के भेष में आए ठगों ने युवक को ठगा

रोहतक। एक युवक के साथ साधुओं ने ठगी की वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित रामभज ने बताया कि वह घरेलू सामान खरीदने के लिए बाइक से रोहतक जा रहा था, जब कार सवार दो साधुओं ने उसे रोककर मोखरा का रास्ता पूछा। इसके बाद साधुओं ने उसे सम्मोहित कर लिया और उसके 30 हजार रुपए लूटकर फरार हो गए। पीड़ित ने बताया कि साधुओं ने उसे आशीर्वाद देने के लिए अपनी आंखों में देखने के लिए कहा। जैसे ही उसने साधु की आंखों में देखा, तो उसे सम्मोहित कर लिया और उसके 30 हजार रुपए जेब से निकालकर साधु को दे दिए। टिटोली चौकी के जांच अधिकारी सुनील ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर साधु वेशधारी दोनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इस्माईला में पाकिस्तान झंडे से बने पोस्टर लगाए

सांपला। खंड के गांव इस्माईला में शनिवार की देर रात बैंक के सामने वाली एक गली की दीवार व गली में पर पाकिस्तान के झंडे बने पोस्टर चिपके हुए मिले। इसकी सूचना मिलने पर रविवार की सुबह पुलिस ने मौके पर जाकर पोस्टर बैनरों को हटाया । इसके साथ ही पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार इस पूरे घटनाक्रम के पीछे शरारती तत्वों की भूमिका होने की आशंका है।

मानसरोवर पार्क के सामने जलघर के बाहर एकत्र होकर बनाएंगे रणनीति

3 कॉलोनियों में दूषित पेयजल सप्लाई विरोध में आज रोष-प्रदर्शन करेंगे

- वार्ड-7 के पार्षद कपिल नागपाल की अध्यक्षता में होगा विरोध प्रदर्शन
- बार-बार शिकायत करने के बावजूद भी समस्या का नहीं किया जा रहा है समाधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर की कृष्णा कॉलोनी, महावीर कॉलोनी व किले मोहल्ले में पिछले काफी समय से दूषित पेयजल की सप्लाई से परेशान लोग मानसरोवर पार्क के सामने वाले जलघर में इक्ट्ठा होकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। वार्ड-7 के पार्षद कपिल नागपाल की अध्यक्षता में यह विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। क्योंकि बार-बार शिकायत करने के बावजूद भी समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा है। ऐसे में लोगों का जीना तक दूभर हो चुका है।

पार्षद ने वार्ड के लोगों से मैसेज के माध्यम से अपील की है कि सोमवार को जलघर के बाहर ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोग पहुंचे। क्योंकि पानी इतना दूषित आ रहा है कि लोगों का घरों में रहना तक दुभर हो चुका है। घरों की टूटियों से गंदे नाले जैसी बदबू तक आने लगी है। पानी बिल्कुल काला आ रहा है, साथ में उसमें मिट्टी तक आ रही है। यहीं नहीं जिन घरों में पानी ऊपर चढ़ चुका है, उनकी टंकियां तक खराब हो चुकी है। बदबू इतनी ज्यादा बनी हुई है कि लोग टंकियां साफ करने से भी इतरा रहे है। पेयजल लाइन खराब होने के कारण ही ऐसा दूषित पानी सप्लाई हो रहा है। अधिकारियों की लापरवाई के कारण ही यह समस्या विकराल रूप लेती जा रही है।

रोहतक। कृष्णा कॉलोनी में आता हुआ गंदा पानी एवं पानी के लिए जद्दोजहद। फोटो : हरिभूमि

अधिकारियों पर समाधान नहीं करने का आरोप

तीनों कॉलोनियों के लोगों को जलघर के बाहर इक्ट्ठा होने की सूचना पहुंचा दी गई है। ताकि विरोध प्रदर्शन कर लोगों की समस्याओं का समाधान करवाया जा सकें। शिकायत करते है तो अधिकारी उनका समाधान कर नहीं रहे है। ऐसे में परेशान होकर दूसरा रास्ता अपनाना पड़ता है। ताकि लोगों को समय पर सभी सुख सुविधाएं मिलती रहे। -कपिल नागपाल, पार्षद, वार्ड-7

लोग पानी खरीदकर पीने को मजबूर

तीनों कॉलोनियों के लोग पिछले काफी समय से ही बाहर से पानी खरीदकर पीने को मजबूर है। ज्यादातर जगहों पर लगे नलकूपों के सहारे की लोगों को पानी की आपूर्ति पूरी करनी पड़ रही है। विभाग द्वारा पानी के टैंकर तक नहीं भेजे जा रहे है। अधिकारी शिकायतों की सुनवाई कर नहीं रहे है। पार्षद को शिकायत करते है तो पार्षद की भी सुनवाई नहीं की जा रही है। ऐसे में समस्या घटेगी नहीं और ज्यादा बढ़ेगी।

विभाग नहीं भेजता पानी के टैंकर

पार्षद ने बताया कि पिछले काफी दिन से पानी की समस्या चल रही है। लेकिन विभाग ने आज तक एक भी पानी का टैंकर इन कॉलोनियों में नहीं भिजवाया है। लोग दूरदराज नलकूपों से पानी भरकर लाते है। इससे समय की बर्बादी तो हो ही रही है, साथ ही आर्थिक बोझ भी लोगों को झेलना पड़ रहा है। इससे गरीब लोगों को ज्यादा परेशान होना पड़ रहा है। गर्मी के मौसम में बुजुर्ग लोगों को ज्यादा दिक्कतें झेलनी पड़ रही है।

इन कॉलोनियों में भी नहीं पहुंच पा रहा पानी

शहर की सल्लारा मोहल्ला, बड़ा बाजार, डेयरी मोहल्ला, पाड़ा मोहल्ला, बढ़ी गेट, किला रोड, गढ़ी मोहल्ला, माता दरवाजा, कबीर कॉलोनी, सांईदास कॉलोनी, संजय नगर व केवलगंज समेत शहर की ज्यादातर कॉलोनियों में पानी नहीं है। यह हाल तब है जब नहर में पानी आया हुआ है। इसके बावजूद भी लोगों को पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा है। दिनभर पानी भरने के लिए माता दरवाजा के नल पर भीड़ लगी रहती है।

डॉग बाइट के मामले तेजी से बढ़ रहे

जिले में कुत्ते आए दिन बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को बना रहे अपना शिकार

- बाहर करीब साढे पांच सौ और सरकारी अस्पताल में सौ रुपये में लगा रहे इंजेक्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जिले में डॉग बाइट के मामले बढ़ते जा रहे हैं। आए दिन किसी न किसी मोहल्ले में आवारा कुत्ते बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को शिकार बना रहे हैं। रोजाना पीजीआई और सरकारी अस्पताल में 15 से 20 मरीज पहुंच रहे हैं। जिन्हें सौ रुपये प्रति इंजेक्शन का भुगतान कर उपचार मिल रहा है। जबकि मेडिकल स्टोर पर करीब साढ़े पांच सौ रुपये में इंजेक्शन मिल रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, वार्ड नंबर 20 प्रीत विहार कॉलोनी की महिला राज देवी सुबह आजाद नगर की मार्केट में दूध लेने आई थी। वहां पर आवारा कुत्ते ने उनके पैर पर काट लिया। इस दौरान लोगों ने बीच में आकर उसको कुत्ते से छुड़वाया जसबीर कुमार ने बताया नगर निगम के अधिकारी कुत्तों की तरफ कोई ध्यान नहीं दे रहे। हर रोज ऐसे हादसे हो रहे हैं। उन्होंने बताया श्रीनगर कॉलोनी सहित आसपास के एरिया में कुत्तों का आंतक फैला हुआ है जिसमें कई बच्चे शिकार हो चुके हैं। इसके अलावा कन्हेली निवासी जितेंद्र कुमार को भी कन्हेली में पागल कुत्ते ने काट लिया। पीड़ित को उपचार के लिए पीजीआई ले जाया गया। उनका आरोप है कि उन्हें पीजीआईएमएस में सही तरीके से इलाज नहीं मिला। उन्हें खुद ही बाहर से रेबीज का इंजेक्शन खरीदकर लाना पड़ा। इस मामले की जानकारी हेल्थ यूनिवर्सिटी के वीसी समेत पीजीआईएमएस के वरिष्ठ अधिकारियों को भी दी गई। उन्होंने बताया कि वह सुबह के समय घर के बाहर गली जैसे ही निकले तो एक पागल कुत्ते ने पैर पर काट लिया। वे तुरंत ही इलाज के लिए सिविल अस्पताल पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद पीजीआईएमएस रेफर कर दिया गया। वह पीजीआईएमएस पहुंचे तो वहां पर सही तरीके से इलाज ही नहीं मिला। यहां तक कि पीजीआईएमएस में रेबीज का इंजेक्शन तक नहीं था। इसके बाद वह एक निजी अस्पताल पहुंचे और वहां से घाव को साफ करवाया। खुद ही दवा की दुकान से इंजेक्शन खरीदा। वे दोबारा से पीजीआईएमएस पहुंचे तो ड्यूटी पर मौजूद स्टॉफ ने इंजेक्शन लगाने से इंकार कर दिया।

कन्हेली निवासी व्यक्ति के पैर पर आया घाव। प्रीत विहार कॉलोनी की पीड़ित महिला।

सियासत | 22 वार्डों में भाजपा के चुने गए हैं 14 पार्षद

निगम चुनाव के दो माह बाद भी नहीं चुने सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

नगर निगम मेयर के चुनाव के करीब दो माह बाद भी सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर का चुनाव नहीं हो पाया है। इस वजह से कई दावेदारों में मायूसी है। वे पार्टी हाईकमान से चुनाव करवाने की मांग कर रहे हैं। इसके लिए अभी तक निगम की तरफ से कोई तैयार नहीं की गई है। नगर निगम मेयर चुनाव में भाजपा के राम अवतार वाल्मीकि की जीत हुई थी। 22 वार्डों में भी भाजपा के 14 प्रत्याशी जीते हैं। इसके बाद यह माना जा रहा है कि सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर भाजपा पार्षदों में से ही चुने जाएंगे। हालांकि कई निर्दलीय पार्षद भी सत्ता पक्ष की तरफ आ चुके हैं और पद की ईच्छा बनाए हुए हैं।

इनको मिल सकती है जिम्मेदारी-

नगर निगम में मेयर एससी रिजर्व किया गया था। सीनियर डिप्टी मेयर पंजाबी समुदाय से होने की सम्भावना है। जिसमें भी महिला उम्मीदवारों के नाम सबसे आगे चल रहे है। इनमें दूसरी बार पार्षद बनी मुक्ता नागपाल, तीसरी बार पार्षद बनी कंचन खुराना व अनिता मिगलानी प्रबल दावेदार हैं। हालांकि यह तो पार्टी ही तय करेगी कि किसके सिर पर ताज सजता है।

खुराना परिवार का वर्चस्व

वार्ड 14 में 25 साल से अशोका खुराना परिवार का वर्चस्व बना हुआ है। अशोक खुराना दो बार पार्षद रह चुके हैं। उनकी धर्मपत्नी कंचन खुराना तीसरी बार इसी वार्ड से पार्षद चुनी गई हैं। सीनियर डिप्टी मेयर पद के लिए क्या कंचन खुराना प्रमुख दावेदार बनी हुई हैं।

डिंपल जैन जता रही दावेदारी

वहीं सूत्रों का कहना है कि डिप्टी मेयर के लिए डिंपल जैन भी दावेदारी जता रही हैं। डिंपल जैन वार्ड 17 से लगातार दूसरी बार पार्षद बनी है। उन्होंने इस बार कांग्रेस के कई बार के पार्षद रहे गुलशन ईशपुनियानी को हराकर जीत दर्ज की है। इसके अलावा कई युवा पार्षद इस पद के लिए दावेदारी जता रहे हैं।

झज्जर रोड पर स्थित गांव मायना के पास हादसा

पैराग्लाइडिंग करते समय हादसा, चालक की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

झज्जर रोड पर स्थित गांव मायना के पास रविवार शाम को पैराग्लाइडिंग करते समय बड़ा हादसा हो गया। संतुलन बिगड़ने से चालक और उसके साथ मौजूद लड़की नीचे गिर गए, जिससे चालक की मौत हो गई जबकि युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। युवती को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शिवाजी कॉलोनी थाना पुलिस मौके पर पहुंचे कार्रवाई शुरू कर दी। मोखरा निवासी 40 वर्षीय नरेंद्र पैराग्लाइडिंग कंपनी में काम करता है। उसके साथ रोहतक की लड़की नीरू पैराग्लाइडिंग कर रही थी। इस दौरान तेज हवाएं चलने के कारण मोटर पैराग्लाइडिंग ने अचानक संतुलन खो दिया और दोनों मायना के पास नीचे जमीन पर आकर गिर पड़े। नरेंद्र की हादसे में मौत हो गई जबकि युवती गंभीर रूप से घायल है जिसे उपचार के लिए दिल्ली बाईपास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। देर रात तक युवती का उपचार चल रहा था वहीं पुलिस का कहना है कि पैराग्लाइडिंग कंपनी मौसम को नहीं भांप पाई और तेज हवाओं के बावजूद पैराग्लाइडिंग के लिए अनुमति दी गई, जिसकी वजह से बड़ा हादसा हो गया। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

खेड़ी महम गांव के पास दुर्घटना

हादसे में निंदाना के युवक की मौत, पत्नी गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

खेड़ी महम गांव के पास हुए एक सड़क हादसे में निंदाना गांव के एक युवक की मौत हो गई। युवक अपनी पत्नी के साथ बाइक पर सवार होकर महम से गांव जा रहा था। जब वह खेड़ी महम गांव के पास स्थित एक पेट्रोल पंप के नजदीक पहुंचा तो वहां पर एक वाहन से उसकी टक्कर हो गई। पुलिस ने वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। महम थाने में पुलिस को दी शिकायत में निंदाना गांव निवासी विकास कुमार पुत्र सुरजभान ने बताया कि वह और उसका चचेरा भाई दिनेश कुमार पुत्र मनेंद्र सिंह और उसकी पत्नी रेखा महम शहर में किसी निजी कार्य के लिए आए हुए थे। जब वह अपनी एचएफ डीलक्स बाइक पर अपनी पत्नी के साथ वापस गांव जा रहा था, तो खेड़ी गांव के पास एचपी कंपनी के पेट्रोल पंप पर पेट्रोल डलवाने की सोची। उसने अपनी बाइक पेट्रोल पंप की ओर मोड़ी तो सामने निंदाना की ओर से आ रही सफेद रंग की छोटा हाथी गाड़ी ने टक्कर मार दी। इस हादसे में दिनेश कुमार व उसकी पत्नी रेखा को गंभीर चोटें आई। विकास कुमार ने बताया कि वह अपने चचरे भाई और भाभी को एक कार में लेकर उपचार के लिए महम के सरकारी अस्पताल में पहुंचा। यहां से चिकित्सकों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया। उसके भाई दिनेश कुमार ने रोहतक पीजीआई पहुंचते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया।

संबंध कोई भी हो लेकिन यदि दुख में साथ न दे अपना
तो सुख में उन संबंधों का, रह जाता कोई अर्थ नहीं ।
मन कटुवाणी से आहत हो, भीतर तक छलनी हो जाए
फिर बाद कहे प्रिय वचनों का, रह जाता कोई अर्थ नहीं ।
- रामधारी सिंह 'दिनकर'

समीर के वकील ने पेपर्स देखे, उसमें गहना ने कोई मांग नहीं की थी सिवाय डिवोर्स के। समीर को उसने आंखों के इशारे से कहा कि साइन कर दो और समीर ने साइन कर दिए। गहना कॉरिडोर के अपोजिट साइड निकल गयी और जीत का आनंद उसके चेहरे पर था। उन हज़ारों उठने वाली उंगलियों को नजरअंदाज कर वह बड़ी बेतकल्लुफी से चल रही थी, अपनी जिंदगी की तरफ, जिसमें वह एक विजेता थी।

मुझे मां नहीं बनना

कहानी

प्रतिभा सुमन शर्मा

तुम फिर वापस आ गयीं? पर क्यों? क्या परेशानी थी? जुमा- जुमा चार ही साल हुए हैं शादी को और चार सालों में तुम पांच बार वापस आ गयी हो, पता है तुम्हें ? मैं इकलौती औरत क्या-क्या संभालूं ? तुम्हारे बाप को तो होश नहीं रहता कि उनकी एक अदद बेटी भी है। हमेशा अपनी धुन में रहता है वह आदमी। भाई बस नाम का है, अपना घर बीवी-बच्चे इनसे कोई फुरसत मिले तो पूछेगा न तुमको, कैसी हो बहना, ससुराल में सब ठीक तो चल रहा है न ?

क्या हुआ गहना, बोलो बेटा? माँ .....!
गहना- प्लीज़ रुकोगी? मैं कुछ बोलूं। हां, बताओ।
मां, मुझे मां नहीं बनना।
क्यों? चार साल हो गए हैं शादी को और फिर भी तुम्हे मां क्यों नहीं बनना?
मुझे नहीं पसंद मम्मा, प्लीज़।
क्या नहीं पसंद?
माँ बनना नहीं पसंद, मुझे मम्मा। मैंने अपनी शादी के पहले ही समीर से यह बात कर ली थी। वह इस बात पर राजी था। पर अब उसके घर वाले उसे बहुत फ़ोर्स कर रहे हैं कि चार साल हो गए बच्चा क्यों नहीं कर रहे हो। इन्फेक्ट मेरी मदर इन लॉ तो मुझे और समीर को जबरदस्ती डॉक्टर के पास भी ले गयी। उनकी जिद इतनी ज्यादा थी कि हमें जाना पड़ा डॉक्टर के पास।
क्या कहा डॉक्टर ने ?
डॉक्टर ने क्या कहना था, उसने रेगुलर चेकअप किया और बताया कि दोनों नार्मल है, कुछ प्रोटेक्शन यूज़ कर रहे हैं इसलिए कंसीव नहीं हो रहा है बस। मेरी सास समीर की तरफ ये बड़ी-बड़ी आंखें फाड़ कर देखने लगी जैसे कि डॉक्टर न होती तो वह शायद एकाद थप्पड़ तो जड़ ही देती।

समीर बिल्कुल कुछ भी नहीं बोला, न वहां, न रास्ते में और न घर आकर। उसने किसी भी तरह से बात की सच्चाई नहीं बताई। अब मम्मा बताओ, यह चीटिंग हुई कि नहीं ?
गहना, तुम मुझे एक बात बताओ कि तुमको मां ही नहीं बनना, यह बात तुमने मुझे तो नहीं बतायी?
मम्मा, छोड़ो! तुमको यह बात बताकर क्या करती मैं? तुमको तो मेरी शादी कर के अपनी जिम्मेदारी से मुक्त होना था? क्या तुम कभी समझ सकती थीं मेरी इस बात को ?
पर तुमको परेशानी क्या है बेटा? शादी के बाद तो मां बनना, तुमसे तुम्हारे मैके वालों से लेकर ससुराल वालों का बच्चा होने की उम्मीद रखना, मुझे तो कुछ गलत नहीं लगता इसमें ? सभी को करना ही पड़ता है यह? बच्चा न होने वाली औरत और उस पूरे परिवार को ही समाज बड़ी बुरी नजर से देखता है बेटा समझो !
मम्मा, कौन सा समाज? वही, उनके हमारे रिश्तेदार आजू बाजू अड़ोस- पड़ोस वाले।
सभी लोग जिस बिरादरी में उठना-बैठना होता है वही तो होता है समाज।
मम्मा, प्लीज़ मुझे ऐसे किसी भी समाज की वजह से मां नहीं बनना है। इन्फेक्ट मुझे मां बनना ही नहीं है। ऐसी औरत को लोग बांझ कहते हैं। कहने दो मुझे बांझ। मुझे मां नहीं बनना बस।
समीर क्या कह रहा है? माँ ने पूछा।
समीर क्या कहेगा, बिल्कुल दल बदलू आदमी है। शादी करने से पहले तो बड़ा महान बन रहा था? अगर तुमको नहीं पसंद बच्चे तो हम नहीं करेंगे। और अब.... अब कह रहा है मम्मी-पापा का इतना प्रेशर है। गहना, मुझे समझ नहीं आ रहा क्या करूँ! यह सरासर चीटिंग है मेरे साथ। यह देखो, यह हम दोनों के बीच का कॉन्ट्रैक्ट।

उसने यह लिखकर दिया है कि उसे भी बच्चा नहीं चाहिए, अब वह मुकर नहीं सकता। माँ- मैं तुम लोगों की जनरेशन की नहीं हूं।
लेकिन गहना, कुछ ज्यादा ही एडवांस नहीं है तुम्हारी जनरेशन? मम्मा, एक लड़का जो शादी करना चाहता है और एक लड़की जो शादी करना चाहती है, दोनों साथ रहना चाहते हैं लेकिन बच्चा नहीं चाहते। इसमें गलत क्या है?
गलत सही कुछ भी मेरी समझ से परे है। अब तुम क्या करना चाहती हो?
कुछ नहीं। उसने कहा। मैं समीर के खिलाफ कोर्ट में केस करना चाहती हूं।
अनुसूया जी बिल्कुल हक्की-बक्की थीं अपनी बेटी का रवैया देखकर। कैसे कोई औरत ऐसी हो सकती है जिसको सच में प्रजनन की चाह ही नहीं है? तुम नौकरी करती हो और तुम खुद कमाती-खाती हो, इसलिए आज तुमको यह लगता होगा बेटा पर हाथ-पैर जवाब देने लगेंगे तब कोई तो सहारा चाहिए होता है न बुढ़ापे में ?
मम्मा, इसका जवाब तो खुद तुम हो, तुम मुझसे क्या जवाब मांगती हो?
कुछ दिन बीत गए। न समीर का फ़ोन आया, न ससुराल से कोई बुलावा आया। गहना रोज नौकरी पर जाती और वापस आती। बाप दारू पीकर तरह-तरह के सवाल करता। कभी-कभी समीर को फ़ोन लगाता पर समीर नहीं उठाता था उनका फ़ोन। फिर गहना को भला-बुरा कहते। एक दिन गहना नौकरी से वापस आयी, तभी पापा दरवाजे में खड़े हो गए और बेटी को कहने लगे 'जाओ अपने घर उल्टे पैर लौट जाओ।' अनुसूया जी बीच में पड़ी और गहना को घर में लिया। पापा भली-बुरी बातें सुनाते रहे।

सुबह जब तैयार होकर गहना निकल रही थी तब माँ ने कहा कि कहीं हॉस्टल में जगह देख लो रहने के लिए, क्योंकि तुम्हारे पापा तुमको यहां जीने नहीं देंगे।
गहना समझ गयी और घर से निकल कर नौकरी की जगह फ़ोन कर दिया कि कुछ इमरजेंसी है इसलिए नहीं आ पाएगी। और अपने लिए एक कमरा तलाशने निकल पड़ी नोएडा जैसी जगह में शाम तक घर तो नहीं मिला कहीं अकेली औरत को। पर हॉस्टल मिल गया। शाम को गयी और सारा सामान उठाकर ले आयी। हॉस्टल में नौकरी करने वाली स्त्रियां विशेषकर रहती थी वहां। गहना ने वकील को अपना केस बताया। काफी सारे लोगों के लिए तो यह मामला ही अजीब था। इसलिए केस लिया ही नहीं। फिर कोई एनजीओ के थ्रू एक वकील मिल गयी दुर्गा।
दुर्गा के केस लेने के बाद गहना आश्वस्त हो गयी। अब क्या, सिर्फ आश्वस्त होने से काम नहीं बनने वाला था। वैसे भी गहना ने अपनी सारी बातें दुर्गा को बतायीं और यह भी बताया कि मैरिज से पहले इस बाबत दोनों में कॉन्ट्रेक्ट हुआ था। दुर्गा ने देखा कि कॉन्ट्रेक्ट में यह बात साफ-साफ लिखी गयी थी कि गहना को शादी के बाद घर वालों द्वारा भी जबरदस्ती नहीं कि जा सकती। अगर ऐसा हुआ तो उसकी जिम्मेदारी समीर लेगा। समीर ने न जिम्मेदारी ली और न कुछ।

कोर्ट ने एक वकील देकर मामले में काउंसलिंग करने की कोशिश भी की। पर गहना अपनी बात पर कायम रही। वैसे ही कोर्ट में भी कायम रही, विरोधी पक्ष के वकील ने उसके चरित्र तक को उछाला। भारतीय संस्कृति का हवाला भी दिया। पर गहना टस से मस न हुई। न गहना की वकील ही। क्योंकि उनके पास ठोस पेपर्स थे, समीर के दस्तख्त के साथ।

सीधे बात से ही मुकर गया। अब दुर्गा ने समीर को कोर्ट का नोटिस दिया। समीर ने सपने में भी नही सोचा था कि गहना उसे कोर्ट में खींचेगी। फिर क्या? समीर को भी कोर्ट का सामना करना पड़ा। उसकी तरफ से उसने एक वकील कर लिया था। यह एक अनोखा और अजीब-सा केस कोर्ट में पेश हुआ। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद जज ने पूछा- लेकिन हर्ज क्या है आपको मां बनने में?
मुझे हर्ज है इसलिए तो हम बात कर रहे हैं न? समीर के वकील ने गहना से कहा, देखिए मैडम, मामला कोर्ट में टिक नहीं पायेगा इसलिए कह रहे हैं।
गहना- 'तो न टिके मेरी बला से।' नहीं मतलब आपके साइड से कोई केस बन भी गया है तो वह टिकेगा नहीं कोर्ट में। देखते हैं।
मतलब, आप अपने साथ-साथ अपने पति की भी ऐसी-तैसी करवाओगी? मेरा मतलब मैडम केस वापस ले लो, फिर बाद में मत कहना कि मैंने आपको बताया नहीं।
कोर्ट ने एक वकील देकर मामले में काउंसलिंग करने की कोशिश भी की। पर गहना अपनी बात पर कायम रही। वैसे ही कोर्ट में भी कायम रही, विरोधी पक्ष के वकील ने उसके चरित्र तक को उछाला। भारतीय संस्कृति का हवाला भी दिया। पर गहना टस से मस न हुई। न गहना की वकील ही। क्योंकि उनके पास ठोस पेपर्स थे, समीर के दस्तख्त के साथ। आखिर फैसला गहना के पक्ष में हुआ। समीर को कहा गया कि आप अपनी पत्नी को इस तरह से जबरदस्ती अब नहीं कर सकते। जबकि शादी के वक्त ही उसने आपसे कॉन्ट्रेक्ट लिखवाया था। आपने खुशी-खुशी उस पर दस्तखत भी किए हैं। अब किसी के कहने पर या परिवार के कहने पर भी आप उसे बदलवा नहीं सकते। तब तक कि जिसने आपके साथ कॉन्ट्रेक्ट किया है वह खुद कहे कि मुझे कॉन्ट्रेक्ट में बदलाव करना है मैं मां बनना चाहती हूं। समीर और गहना कोर्ट के फैसले के बाद साथ-साथ चल रहे थे कॉरिडोर में। समीर ने गहना को रोका, कहा कि सॉरी मुझसे ही भूल हुई है, मैं अपनी बातों पर कायम नहीं रह पाया। पर अब मैं इस रिलेशनशिप को कंटीन्यू नहीं करना चाहूंगा। तभी गहना ने कहा ठीक है मुझे भी नहीं करना है इस बेईमान रिश्ते को कंटीन्यू। ये पेपर्स हैं, मुझे तुमसे डिवोर्स चाहिए।
समीर के वकील ने पेपर्स देखे, उसमें गहना ने कोई मांग नहीं की थी सिवाय डिवोर्स के। समीर को उसने आंखों के इशारे से कहा कि साइन कर दो और समीर ने साइन कर दिए। गहना कॉरिडोर के अपोजिट साइड निकल गयी और जीत का आनंद उसके चेहरे पर था। उन हज़ारों उठने वाली उंगलियों को नजरअंदाज कर वह बड़ी बेतकल्लुफी से चल रही थी, अपनी जिंदगी की तरफ, जिसमें वह एक विजेता थी।

कविता

डॉ.कमलेश मलिक

संकल्प

जो जैसी भाषा में समझे उसे वैसे ही समझाना होगा
प्रेम-शांति संदेश छोड़ अब रण का बिगुल बजाना होगा

किसी हिमांशी की आंखों से सिंधु जल अब नहीं बहेगा
किसी आरती के सर से अब पिता का साया नहीं उठेगा
यह संकल्प लिए अर्जुन को अब तो शस्त्र उठाना होगा

ऊरी अटैक या पुलवामा दुश्मन ने मुंह की खाई है
कितने सैनिक हमने खोये यह भी कड़वी सच्चाई है
सर से पानी उतर गया अब उनको सबक सिखाना होगा

पहलगाम का सीना छलनी माथे की बिंदिया का क्रंदन
बिलख-बिलख कर कहता है अब राखी के धागों का बंधन
दुश्मन केवल दुश्मन ही है रिश्ता यही निभाना होगा
जो जैसी भाषा में समझे उसे वैसे ही समझाना होगा।

कविता

क्षमा उर्मिला

अकेले ही ढले हैं

जहां सारा हैं अपना हम यही माने चले हैं
परख कर दुख ही तो होगा अनाड़ी ही भले हैं

झुलसने का ना हम को डर लगे खेल अब तो
तपन को बाहों में लेकर अंधेरों में जले हैं

हजारों रातें गहरी चाँद तक तक के ही काटी
उसे मामा ही समझे हम अंधेरे यूं टले हैं

बना कर धर्मों की केंची सियासत पंख काटे
उड़ानें भरते पंछी बस शिकारी को खले हैं

यही होता है सदियों से सुबह के सूरजों का
उगे ओजस्वी किरनों में अकेले ही ढले हैं

निगल जाती है सौ जानें लहर तोड़े किनारे
हुआ ये तब किनारे जब समन्दर को छले हैं।

मुक्तक

कृष्ण गोपाल विद्यार्थी

याद तो दिल खुदा को करता है,
अक्स तेरा ही क्यों उभरता है?
बेखुदी हद से जब गुजरती है,
आदमी इस तरह भी मरता है।

**

आप से प्यार हो गया कैसे ?
यह चमत्कार हो गया कैसे ?
प्यार को मैं गुनाह कहता था,
मैं गुनहगार हो गया कैसे ?

**

जीवन के संघर्षों ने जब भी ललकारा है।
कागज-क़लम ने मुझको दिया सहारा है।
बड़े-बड़े तूफानों से मैं घिरा रहा अक्सर,
इसी नाव ने मुझे हमेशा पार उतारा है।

कविता

दिनेश दिनकर

मेरी आखिरी सांस

तेरे बिन ये सन्नाटा सुन,
मैं तनहाईयों से घिर गई
जब सुनी तेरी आवाज
तो तुझे खोने की अफवाह पिघल गई
हर रोज सपने में तुझे देखती थी
तुझे चूमती थी तुझे पुकारती थी
इक आखिरी ख्वाहिश बची है सीने में
गर भर लूं तुझे बाहों में,
तो इस जहां से छुमंतर हो सकूं
बोलो थामोगे मेरा हाथ
जब तक बची है मेरी आखिरी सांस।

कविता

राज ख्यालिया

वक़्त की कमी है, मगर मिलन की चाहत है बाकी,
दिल में अभी तेरे नाम की लगन है बाकी।

राहों में रुकावट हैं, फासले भी कायम है
फिर भी न जाने क्यों एक आस है बाकी

चाहा तुझे लम्हों में बाँध लूँ साँसों की डोर से,
पर जिंदगी में अब भी कुछ उलझनें है बाकी।

हर मोड़ पर देखा तुझे यादों की सूरत में,
फिर भी न जाने क्यों है आँखें नमी है बाकी...

कविता

राकेश कुमार सपड़ा

कलमा

थे वो सैलानी भ्रमण पे
काश्मीर के चमन में
झेलम ढल सब निहार ली
पहलगाम की फिर राह ली
छूट ना जाए कोई झील या झरना
क्या मालूम था
छद्म वेश में
आ जाएगा पूछने कोई
क्या आता है पढ़ना कलमा ?

बैसरन वादियाँ
महक रही थी जहाँ
बेशुमार खुशियाँ
इन्सानियत वहाँ शर्मसार हुई
गोली दिल के पार हुई
खून से घाटी लाल हुई
मासूम जिंदगियां
दहशत की शिकार हुई।

पूछ कर नाम शिकार जो बनाते हैं
छुपे नहीं है जो ये आतंक मचाते है
बहा के खून बेकसूर निहत्थो का
मानवता को कलंकित कर जाते हैं।

आंखे हमारी सबकी भले ही नम है
अपनों को खोने का भी गम है
होंसला नहीं हुआ फिर भी कम है
मिटाने का आतंक जड़ से लिया प्रण है
देखा ही कहाँ तुमने अभी हमारा दम है।

कविता

अंजु कपूर गांधी

बेरोज़गार हूं मैं

हां बेरोजगार हूं मैं।
था सुमन ठोकरों से,
बन चुका खार हूं मैं।
जिससे है की पढ़ाई
हुई खत्म वो कमाई
खटता है बाप अब तक
खाली बेकार हूं मैं।
मां मांगती दुआएं
अल सुबहा जब भी जागे
हर दर पे टेके माथा
बांधे मन्नतों के धागे
टूटे नित उम्मीद उसकी
देखूं, लाचार हूं मैं।
खाना परोसा जाता
नहीं बैठ खा मैं पाता
करती सवाल आंखें
रहता दरकिनार हूं मैं ।
थामे डिग्रियों की फाइल
थके पांव रुह है घायल
लगता है लिए घूमता
गर्द और गुबार हूं मैं
ज्वालामुखी धधकता
आक्रोश का है भीतर
कब फूट पड़े लावा
जलता अंगार हूँ मैं।
बेरोजगार हूँ.....

महिला साहित्यकार, कवियत्री एवं लेखिका मीना चौधरी का इस आधुनिक युग में साहित्य की स्थिति को लेकर कहना है कि आज साहित्य अत्यंत रोचक, बहुआयामी और चुनौतीपूर्ण है। तकनीकी प्रगति, सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों ने अभिव्यक्ति के नए रास्ते खोले हैं, जिससे साहित्य अब सिर्फ पुस्तकों तक सीमित नहीं रहा। ब्लॉग, ई-बुक्स, पॉडकास्ट और यूट्यूब जैसे डिजिटल माध्यमों ने नए लेखकों को मंच दिया है।

साक्षात्कार

ओ.पी पाल

समाज के हित में हिंदी साहित्य को जीवंत रखना जरूरी : मीना चौधरी

साहित्य संवर्धन में जुटे साहित्यकार अलग-अलग विधाओं में समाज को नई दिशा देने के मकसद से सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों पर अपनी लेखनी चलाते आ रहे हैं। ऐसे ही लेखकों में महिला साहित्यकार मीना चौधरी भी एक कवि के रूप में अपने रचना संसार को आगे बढ़ा रही हैं। साहित्य और सांस्कृतिक समृद्धि के लिए समर्पित लेखन के साथ वह कई साहित्यिक, सामाजिक, उद्यमी जैसी संस्थाओं के साथ जुड़ी हैं।

लेखिका मीना चौधरी ने अपने साहित्यिक सफर को लेकर कई ऐसे अनछुए पहलुओं को उजागर किया है, जिसमें उनका मकसद गद्य और पद्य दोनों विधाओं में साहित्यिक व सांस्कृतिक मंचों पर सक्रिय रहकर हिंदी साहित्य को जीवंत और विकासशील बनाए रखना है, ताकि साहित्य और समाज में उनकी सार्थक भूमिका बनी रहे। मीना चौधरी का जन्म 28 मार्च 1971 को जमशेदपुर (झारखंड) में एक मैथिल ब्राह्मण परिवार में हुआ। उनके पिता जमशेदपुर स्थित टेल्को कंपनी में इंजीनियर थे और माता एक समर्पित गृहिणी रहीं। उनका बचपन जमशेदपुर में ही बीता। इन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा लिटिल फ्लावर स्कूल (कॉन्वेंट स्कूल) से हासिल की। उनके परिवार या घर में किसी प्रकार का साहित्यिक या सांस्कृतिक माहौल नहीं था। उन्होंने अपनी शिक्षा विज्ञान विषयों में की, लेकिन हिंदी भाषा के प्रति उनका एक विशेष लगाव रहा और इसी हिंदी प्रेम के चलते उनकी साहित्यिक रुचि विकसित हुई। स्कूल और कॉलेज के दिनों में कभी-कभार कुछ भावनात्मक लेखन करती थी और उसी दौरान आकाशवाणी से भी जुड़ने का अवसर मिला। हालांकि छात्र जीवन की व्यस्तता के कारण यह साहित्य की रुचि थोड़ा पीछे रही। गृहस्थी में आने के बाद से ही हरियाणा के गुरुग्राम में उद्यम, साहित्यिक एवं सामाजिक कार्यों में सक्रिय हो गई। साहित्यिक लगाव के कारण उन्होंने लेखन कार्य शुरू कर दिया। वे समाज के विभिन्न पहलुओं पर कविताएं और आलेख लिखती आ रही हैं। उन्होंने बीएससी की शिक्षा के दौरान अपनी पहली रचना लिखी, जो स्थानीय अखबारों में भी प्रकाशित हुई। इससे उनका लेखन के प्रति ऐसे में आत्मविश्वास बढ़ना स्वाभाविक था, जब उनकी रचना रेडियो पर भी प्रसारित हुई। उनका पहला हिन्दी कविता संग्रह 'रस स्रावित' प्रकाशित हुआ, जिसे भाषा सहोदरी हिन्दी के सहयोग से 2019 में प्रकाशित किया गया। जबकि उनका दूसरा काव्य संग्रह 'पैबंद पर सितारे' शीर्षक से पुस्तक के रूप में 2021 में पाठकों के सामने आया। जबकि तीसरा काव्य संग्रह शीघ्र ही प्रकाशित होगा। बकौल मीना चौधरी, वह हिंदी और अंग्रेज़ी भाषा के अलावा मैथिली में भी लेखन करती आ रही हैं। उन्होंने 'भाषा सहोदरी हिंदी' सहित कई संस्थाओं के साथ मिलकर हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए कार्य किया है, जिसके लिए उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली और उन्होंने मॉरीशस, दुबई और सिंगापुर जैसे देशों में हिंदी को मंच को साझा किया। उनका कहना है कि उनके साहित्य क्षेत्र के सफर में उनके पति, बेटियों और दामाद समेत परिजनों का निरंतर सहयोग और प्रोत्साहन मिला है, जो उनके लिए सबसे बड़ी प्रेरणा है। साहित्य क्षेत्र के अलावा वे सामाजिक सेवा में भी सक्रीय हैं और स्वच्छता जागरण समिति जैसी संस्थाओं से जुड़ी हैं। वहीं वे कई साहित्यिक संस्थाओं से जुड़ी होने के साथ भाषा सहोदरी की मुख्य संयोजिका हैं और आगमन की राष्ट्रीय महासचिव एवं महिला काव्य मंच, गुरुग्राम की महासचिव भी रही हैं। वे खुद के संस्थान इंडसोल एंटरप्राइजेज की अध्यक्ष भी हैं यानी इंडसोल एंटरप्राइजेज में स्व-नियोजित, उद्यमशीलता की दुनिया में अपनी व्यावसायिक विशेषज्ञता उनके पास है।

एक साहित्यकार के रूप में वह राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन दुबई और मॉरीशस में मुख्य प्रबंधक रही हैं एवं भाषा सहोदरी पत्रिका की सम्पादक भी हैं। उनका कहना है कि युवाओं को साहित्य पढ़ने के लिए प्रेरित करना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि साहित्य न केवल भाषा और अभिव्यक्ति को समृद्ध करने के साथ सोचने, समझने और महसूस करने की क्षमता भी बढ़ाता है। ऐसी प्रेरणा युवाओं को अपनी संस्कृति, समाज और मानवीय मूल्यों से जोड़ने में सहायक होगी।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : मीना चौधरी
जन्मतिथि : 28 मार्च 1971
जन्म स्थान : जमशेदपुर (झारखंड)
शिक्षा : बीएससी, एमबीए
संप्रति : लेखिका, कवि, संपादक, उद्यमी और सामाजिक कार्यकर्ता (गुरुग्राम क्षेत्र)

प्रकाशित पुस्तकें

लेखिका एवं कवि मीना चौधरी की प्रकाशित पुस्तकों में रस स्रावित, पैबंद पर सितारे और मेरी स्वरचित काव्य संग्रह प्रमुख रूप से शामिल हैं। उनके हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में साँझा संकलन एवं पत्र-पत्रिकाओं में कविताएं, लघुकथा और लेख भी प्रकाशित हुए हैं। इसके अलावा वे गद्य और पद दोनों साहित्यिक विधाओं में आलेख और रचनाएं लिखती आ रही हैं। वह हिंदी और अंग्रेजी भाषा के अलावा मैथिली में भी लेखन करती आ रही हैं।

मीना चौधरी

पुरस्कार व सम्मान

मीना चौधरी को साहित्यिक क्षेत्र में योगदान के लिए राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मंचो से अनेक सम्मान मिल चुके हैं। इनमें विश्व हिंदी सम्मान दुबई, 'सहोदरी रत्न' मॉरिशस, 'शब्द मनीषी सम्मान', विविधता में एकता राष्ट्रीय सम्मान, आगमन तेजस्विनी अवार्ड, रंग राची सम्मान, स्वर लहरी सम्मान, प्रेरणा पीढ़ी पुरस्कार, भाषा सहोदरी सम्मान प्रमुख रुप से शामिल रहे। उन्हें अनेक साहित्यिक मंचों से भी विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है।

'हेल्लो ज़िंदगी' में हैं शिक्षा और समाज के सरोकार

पुस्तक : हेल्लो ज़िंदगी
लेखक : विनय मोहन खारवन
मूल्य : 250 रुपये
प्रकाशक : समदर्शी प्रकाशन

पुस्तक समीक्षा

अरुण कुमार कैहरबा

सेवानिवृत प्राध्यापक व इस पुस्तक के लेखक विनय मोहन खारवन की प्रतिभा निरंतर समाचार-पत्रों व पत्रिकाओं में चमकती रही है। उनके लघुकथा संग्रह 'हैल्लो ज़िंदगी' शीर्षक ही स्पष्ट करता है कि लेखक अपनी रचनाओं में ज़िंदगी के साथ सीधा संवाद कर रहा है।

अपने समृद्ध अनुभवों और समझ के आधार पर जीवन के विविधि पहलुओं, घटनाओं और संबंधों को अपनी लघुकथाओं के जरिये परख रहा है। लेखक रोजमर्रा के जीवन की छोटी से छोटी घटना को लेता है और सीधे-सरल शब्दों में कथा कहते हुए मर्म की बात कह जाता है। लघुकथाएं विसंगतियों व विडंबनाओं की तरफ संकेत भी करती हैं और प्रहार भी करती हैं। लेखक का मत है कि 'रिटायरमेंट जिंदगी को हैलो कहने का समय होता है।' लेखक का संबंध शिक्षा से रहा है। यही कारण है कि समीक्ष्य संग्रह में उनके शैक्षिक सरोकार अनेक लघुकथाओं में दिखाई देते हैं।

'शोषण' व 'आज का एकलव्य' लघुकथाएं इसी विषय पर केंद्रित हैं। 'आज का एकलव्य' लघुकथा में तीस साल से निजी स्कूल में पढ़ा रहे अध्यापक की दयनीय दशा को दिखाया गया है। 'पैसा और पढ़ाई' में पढ़ाई के प्रति अमीर लोगों का दृष्टिकोण उजागर होता है, जिसमें वे पढ़ाई से ज्यादा पैसे को तरजीह देते हैं। संग्रह में सरकारी स्कूलों का चित्रण भी है। 'ज़मीर' लघुकथा में बीस लाख रुपये के अनुदान पर प्रिंसिपल अपने जमीर को दरकिनार करके मन की इच्छाओं को तरजीह देता है। 'प्रैक्टिकल' में कॉलेज के अध्यापक की प्रैक्टिकल परीक्षाओं में लालच की प्रवृत्ति उजागर होती है। 'नकल' लघुकथा में बोर्ड परीक्षाओं के दौरान सुपरवाइजर द्वारा नकल का धंधा करने और उड़नदस्ते के एक सदस्य द्वारा इसकी उपेक्षा करते हुए सुपरवाइजर के साथ दोस्ती निभाने की अपराधपूर्ण स्थिति को दर्शाया गया है। 'सिलसिला' में ऊपर से नीचे तक चलने वाले धमकी व डर के सिलसिले के बाद बिना किसी सार्थक उद्देश्य से बजट खर्च करने के लिए होने वाले सेमिनारों की कड़वी सच्चाई सतह रूप में उजागर कर दी गई है। शिक्षा कैसे अंकों की होड़ में तब्दील हो गई है, इसे 'ज़िंदगी के नंबर' और 'खुशी का प्रतिशत' में दिखाया गया है। लेकिन 'ज़िंदगी के नंबर' में परीक्षा के अंकों को देखने का सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने की सीख दी गई है। संग्रह की अनेक लघुकथाएं हृदय स्पर्शी हैं और सवाल खड़े करती हैं। पहले संग्रह के लिए लेखक को हार्दिक बधाई।

खबर संक्षेप

जब तक आर्य वीर दल जीवित है, आर्य समाज जीवित रहेगा

रोहतक। जब तक आर्य वीर दल जीवित है, आर्य समाज जीवित रहेगा। आश्रम का अर्थ है जी तोड़ मेहनत करने का स्थान। ये विचार आर्य समाज रूप नगर रोहतक के 44वें स्थापना उत्सव के तीसरे और अंतिम दिन अजमेर से जाए हुए वैदिक विद्वान प्रोफेसर नरेश धीमान ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि समर्पण के भाव से अहंकार को शून्य करते जाएं। अहंकार के कारण ईश्वर की कृपा का अनुभव नहीं हो पाता। कार्यक्रम का आरंभ यज्ञ के साथ हुआ। यज्ञ ब्रह्मा डॉ. जगदेव सिंह विद्यालंकार रहे। तरुण शास्त्री एवं पंडित शक्तिदेव ने मंत्रपाठ किया। आर्य वीर दल के बच्चों ने व्यायाम-प्रदर्शन किया। आचार्य सत्यव्रत ने कहा कि यज्ञ में उत्तम सामग्री का उपयोग करना चाहिए।

आठ ग्राम हेरोइन सहित आरोपी गिरफ्तार

रोहतक। शिवाजी कॉलोनी पुलिस ने एक युवक को 8 ग्राम हेरोइन सहित आरोपी गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच पड़ताल की जा रही है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर रोहतक के सुनारिया रोड पर गांव बालंद के पास नाकाबंदी कर एक युवक को नशीले पदार्थ के साथ काबू किया। आरोपी की तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 8 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। नशीले पदार्थ के साथ पकड़े गए आरोपी की पहचान मोहित पुत्र तेजबीर निवासी गांव गोच्छी जिला झज्जर के रूप में हुई है। पुलिस पकड़े गए आरोपी से पूछताछ कर रही है।

खास गांव में लगाया स्वास्थ्य जांच शिविर

महम। सीसर खास गांव में आयुष विभाग द्वारा स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। इस दौरान स्वास्थ्यकर्मी प्रोमिला व योग शिक्षक विकास ने बताया कि शिविर में ग्रामीणों को स्वच्छ रहने के तरीके बताए। साथ ही ग्रामीणों सही खानपान करने और नियमित रूप से योग करने के लिए प्रेरित किया। कैंप में आए मरीजों के स्वास्थ्य की जांच की गई और उसी के हिसाब से उनको आयुर्वेदिक दवाइयां दी गई। आयुष विभाग की स्वास्थ्यकर्मी प्रोमिला ने बताया कि समय समय पर विभाग द्वारा कैंप लगाए जाते हैं। योग प्रशिक्षक विकास ने बताया कि स्कूलों में बच्चों को अंतर राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के संबंध में ट्रेनिंग दी जा रही हैं।

मातृ दिवस पर बच्चों ने बनाई ग्रीटिंग कार्ड

सांपला। भैंसरु खुर्द मेघाराम पब्लिक स्कूल में मातृ दिवस के अवसर पर एक भव्य और उत्साहपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष दिन को यादगार बनाने के लिए स्कूल परिसर में भाषण प्रतियोगिता सहित विभिन्न गतिविधियां कराई गई। कार्यक्रम की शुरुआत मां के प्रति सम्मान और उनके अथाह प्रेम को समर्पित भावपूर्ण प्रस्तुतियों के साथ हुई। भाषण स्पर्धा में बच्चों ने मातृ दिवस के महत्व, मां के त्याग, समर्पण और समाज में उनकी भूमिका पर अपने विचार रखे। बच्चो ने मां के नाम ग्रीटिंग कार्ड बनाए। प्राचार्य नसीब सिंह ने स्कूल द्वारा माताओं को उनके अमूल्य योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

शिविर में साधकों योग के फायदे बताए

रोहतक। आगाज चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा पुरानी आईटीआई स्थित पार्क में दो दिवसीय निशुल्क योग शिविर लगाया गया। इस दौरान लोगों को योग के फायदे बताए गए। योग शिविर की समाप्ति के बाद चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा देश सम्मान यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें वहां मौजूद लोगों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया तथा भारत देश के प्रति अपनी आस्था को व्यक्त करते हुए भारत माता की जय के नारे लगाए। इन अवसर पर आगाज चैरिटेबल ट्रस्ट की प्रधान ममता, सचिव नीरू, उपप्रधान नरेश खत्री, प्रवीण मित्तल, सह-सचिव नीलम आदि मौजूद रहे।

प्रशासन ने आपात स्थिति के लिए दमकल केंद्रों के नंबर जारी किए

प्रशासन ने की सायरन टेस्टिंग, रिहर्सल कर रहे, घबराने की जरूरत नहीं : डीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जिला प्रशासन ने किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए नगर निगम क्षेत्र में स्थापित किए गए सायरनों की टेस्टिंग रविवार सांय 4 से 5 बजे तक की। इस दौरान डीसी धर्मेंद्र सिंह ने कहाकि लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। यह सिर्फ अभ्यास के लिए किया जा रहा है ताकि जिले में स्थापित किए गए सायरन ठीक रहें। हाल ही में सायरन की संख्या बढ़ाई गई है। जिसके बाद यह टेस्टिंग की गई। नगर निगम क्षेत्र में जिन इमारत पर सायरन स्थापित किए गए हैं, उनमें सिटी पुलिस स्टेशन, सब्जी मंडी पुलिस चौकी, महिला थाना, डी पार्क, पुलिस चौकी, आर्य नगर चौकी, 33 केवी सब स्टेशन झज्जर रोड, 132 केवी सब स्टेशन आईएमटी, पुलिस स्टेशन अर्बन स्टेट, सदर पुलिस स्टेशन, आईएमटी पुलिस स्टेशन, नांदल भवन, 132 केवी सब स्टेशन खोखरा कोट, 33 केवी सब स्टेशन आईएमटी, 33 केवी सब स्टेशन सेक्टर 6, नई अनाज मंडी, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, एंटी करप्शन ब्यूरो, आईटीआई, 33 केवी सब स्टेशन आईडीसी हिसार रोड, गवर्नमेंट स्कूल लाल बहादुर शास्त्री नगर हिसार रोड, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सुनारिया, शिव मंदिर पहरावर, दादा बिसादा मंदिर बलियाना, आरटीओ ऑफिस, पुलिस चौकी, पुरानी सब्जी मंडी, 33 केवी सब स्टेशन पुरानी आईटीआई, 33 केवी सब स्टेशन सेक्टर 1, पुलिस स्टेशन सेक्टर 14, पेट्रोल पंप तिलयार लेक व व आईएमटी शामिल है। ध्यान रहे कि सायरन का उपयोग आपातकाल की चेतावनी देने के लिए किया जाता है। खासकर हवाई हमले या अन्य खतरे की स्थिति में चेतावनी जारी की जाती है। सायरन लाल सिग्नल के साथ बजता है, जो कि ऊंची-नीची आवाज में 2 मिनट तक बजेगा। जब खतरा टल जाता है, तो सायरन फिर से दो मिनट के लिए एक जैसी आवाज में बजेगा। लेकिन इस बार यह एक अलग सिग्नल होगा, जो कि नागरिकों को राहत का संकेत देगा।

रोहतक। महिला थाना। फोटो : हरिभूमि

रोहतक। बस स्टैंड। फोटो : हरिभूमि

नागरिक आपात स्थिति में करें डायल

रोहतक। आपात स्थिति में आमजन की सुविधा के मद्देनजर जिला प्रशासन में दमकल केंद्र के अधिकारियों व इंचार्ज के टेलीफोन व मोबाइल नंबर जारी किए हैं। फायर स्टेशन सेक्टर 5 रोहतक के लिए मोबाइल नंबर 97298-0 9434 तथा 82959-00922 पर संपर्क किया जा सकता है। इसी प्रकार से सिटी स्टेशन रोहतक के लिए मोबाइल नंबर 94166-64045 तथा लेंडलाइन नंबर 01262-250487, 01262-250488 व 01262-250489 पर संपर्क किया जा सकता है। फायर स्टेशन महम के लिए मोबाइल नंबर 99921-67660 तथा लेंडलाइन नंबर 01257-234588 पर संपर्क किया जा सकता है। फायर स्टेशन सांपला के लिए मोबाइल नंबर 99920-99888 तथा 82959-00928 पर संपर्क किया जा सकता है। इसके अलावा आपात स्थिति में 112 नंबर पर भी डायल किया जा सकता है।

दलित एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष बने डॉ. अनिल मेहरा

- वजीर सिंह भोरिया उपाध्यक्ष और शकुंतला सभरवाल संयुक्त महासचिव बनीं
- सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को फूल- मालाओं से किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। हरियाणा दलित एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण एसोसिएशन के त्रैवार्षिक चुनाव में डॉ. अनिल मेहरा को प्रांतीय अध्यक्ष चुना गया है। वजीर सिंह भोरिया उपाध्यक्ष और शकुंतला सभरवाल संयुक्त महासचिव बनीं है। शहर के नेहरू कॉलोनी में स्थित भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर भवन में आयोजित चुनाव प्रक्रिया की निगरानी डॉ. फूल कुमार मुवाल ने की।

नई कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष वजीर सिंह भोरिया, प्रांतीय संयुक्त महासचिव शकुंतला सभरवाल, प्रांतीय सहायक सचिव राकेश कुमार, प्रांतीय संगठन सचिव ऋषिराज निनानिया, प्रांतीय कोषाध्यक्ष सुशील कुमार, प्रांतीय प्रचार सचिव अनिल मेहरा, प्रांतीय मुख्य सलाहकार कुलदीप राठी व राज्य कार्यकारिणी सदस्य मानसिंह उर्फ मामन, अशोक कलसन, अजय कुमार व मुकेश कुमार को बनाया गया है। बैठक के दौरान डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134 वीं जयंती वर्ष 2023 के आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया और सर्वसम्मति से अनुमोदित हुआ। प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. अनिल मेहरा ने सभी सदस्यों को विश्वास दिलाया कि संगठन, संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के आदर्शों पर चलते हुए समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा। इस अवसर पर पवन, अजीत, चांद, सत्यवान राठी, कविता रानी, पुष्पा, सुमन, कुकी, परवीन, सतबीर, जतिन, नीलम भूक्कल समेत अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

युद्ध विराम एवं शांति के लिए जय मां गायत्री यज्ञशाला में किया हवन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

वैशाख मास शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि को भगवान नरसिंह अवतार हुआ था, यह दिन शास्त्रों में बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। इस अवसर पर रुपया चौक जय मां गायत्री यज्ञशाला पर गायत्री परिवार के सदस्यों ने हवन यज्ञ किया। जिसमें गायत्री परिवार के सदस्य मुकेश वत्स, राजकुमार, सुरेश कुमार, सतीश कुमार, अनीता, दीपशिखा शर्मा, रमेश पांचाल आदि ने गायत्री मंत्र, महामृत्युंजय मंत्र द्वारा औषधियुक्त सामग्री से आहुतियां देकर समस्त जीव कल्याण की कामना करते हुए भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम एवं शांति की कामना की।

मुकेश वत्स कहा कि अब रोहतक में शांतिकुंज गायत्री परिवार द्वारा भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। जिसमें विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में सम्मिलित होने का मौका मिलेगा और बच्चों को भी भारतीय संस्कृति एवं नैतिक शिक्षा का ज्ञान करवा जाएगा। पंडित हरिओम वशिष्ठ ने बताया कि यज्ञशाला पर श्री हरिहर धाम द्वारा प्रत्येक रविवार को हवन किया जाता है।

महम के हजारों लोग हर साल करते हैं रक्तदान: विजय

- महम के रक्तदान शिविरों में काफी संख्या में पहुंचती हैं महिलाएं
- श्री श्याम सोशल फाउंडेशन ने लगाया रक्तदान शिविर
- 60 लोगों ने स्वेच्छा से किया रक्तदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

श्री श्याम सोशल फाउंडेशन द्वारा महम काठमंडी स्थित वाल्मीकि धर्मशाला में रक्तदान शिविर लगाया गया। शहर के प्रमुख समाजसेवी विजय मित्तल और विधायक बलराम दांगी संयुक्त रूप से इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। विशिष्ट अतिथि के रूप में शिवानंद आश्रम खेड़ी महम से डॉक्टर कृष्ण कुमार लांबा, पूर्व नगर पालिका प्रधान फतेह सिंह और भाजपा नेत्री मीना वाल्मीकि ने कार्यक्रम में शिरकत की। शिविर में 60 रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। रोहतक पीजीआई से पहुंची टीम ने रक्त एकत्रित किया। रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस मौके पर समारोह के मुख्य अतिथि विजय मित्तल ने कहा कि महम क्षेत्र की जनता रक्तदान करने में अग्रणी है। हर साल यहां से हजारों यूनिट रक्त रोहतक ब्लड बैंक में पहुंचता है। खास बात यह है कि महम में जब भी रक्तदान शिविर लगता है, तब काफी संख्या में महिलाएं रक्तदान करने पहुंचती हैं। महिलाएं भी रक्तदान शिविर में बढ़ चढ़कर भाग लेती हैं। यदि युद्ध की स्थिति आती है और फौज के लिए खून की जरूरत पड़ेगी तो महम के लोग पीछे नहीं हटेंगे। यहां के जवान न तो देश की सीमा पर अपना खून बहने से डरने और न ही यहां पर रक्तदान करने में पीछे हटते। जब जब भी देश पर संकट आया है। महम के बहादुर लोगों ने अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया है। देश के लिए यहां के जवानों ने अपने प्राणों की आहुति तक दी हैं। नगर पालिका के वाइस चेयरमैन बसंत लाल गिरधर ने युवाओं को रक्तदान के लिए प्रेरित किया।

महम। रक्तदान शिविर का शुभारंभ करते समाजसेवी विजय मित्तल और उनके साथ मौजूद डॉक्टर कृष्ण कुमार लांबा। फोटो : हरिभूमि

गुरुबाणी कीर्तन कर संगतों को किया निहाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गुरुद्वारा बंगला साहिब में दूसरे पातशाह श्री गुरु अमरदास साहब महाराज का पावन प्रकाश गुरुपूर्व बड़ी श्रद्धा एवं धूमधाम से मनाया गया। जिसमें श्री सुखमणि साहिब के पाठ किया गया। इसके बाद ज्ञानी अजीत सिंह, भाई बलजीत सिंह यूएसए वाले ने गुरूबाणी कीर्तन करके संगतो को निहाल किया। इस अवसर पर सरदार अवतार सिंह खुराना, सरदार परमजीत सिंह सेक्रेटरी, सरदार सिमरन सिंह खुराना, सरदार प्रिंस टक्कर, मैनेजर सरदार पूर्ण सिंह आदि रहे।

रोहतक। कीर्तन में गुरूबाणी संगतो को निहाल करते भाई बलजीत सिंह।

रोहतक। कीर्तन में गुरूबाणी सुनते संगत। फोटो : हरिभूमि

रोहतक। शाम के समय आई तेज आंधी से गिरा पेड़, बहुअकबरपुर से मोखरा रोड का आवागमन हुआ बाधित।

द आर्यन ग्लोबल स्कूल में मातृ दिवस का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

द आर्यन ग्लोबल स्कूल में मातृ दिवस का आयोजन धूमधाम से किया गया। इस मौके पर माताओं के लिए विभिन्न गतिविधियों और खेलों का आयोजन किया, जिसमें माताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों ने अपनी माताओं के साथ मिलकर खेलों में भाग लिया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रैंप वॉक रहा, जिसमें माताओं ने आत्मविश्वास के साथ रैंप पर चलकर सभी का दिल जीत लिया। माताओं को उपहार देकर सम्मानित किया गया। इस आयोजन ने माताओं और बच्चों के बीच के बंधन को और मजबूत किया। द आर्यन ग्लोबल स्कूल में मातृ दिवस का आयोजन धूमधाम से किया गया।

रोडवेज बस ने मारी टक्कर बाइक सवार गंभीर, भर्ती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

मदीना गांव के पास हुए एक सड़क हादसे में एक बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। रोडवेज बस ने बाइक को टक्कर मार दी थी। जिसमें उसे काफी चोटें आई हैं।

घायल को उपचार के लिए पहले महम के नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया, उसके बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया। बहु अकबरपुर थाने में दी शिकायत में खेड़ी महम गांव निवासी राममेहर पुत्र शेर सिंह ने बताया कि वह खेतीबाड़ी का काम करता है। गत दिवस वह अपनी सीटी 100 मोटर साइकिल पर सवार होकर रोहतक पीजीआई से आ रहा था। जब वह मदीना में एंट्री प्वाइंट पर पहुंचा तो वहां एक बस चालक तेज रफ्तार से बस को चलाता हुआ आया। बस चालक ने लापरवाही करते हुए उसकी बाइक में टक्कर मार दी। वह रोड पर गिर गया। राहगीरों ने उसे रोड से उठाया। बताया कि हरियाणा रोडवेज की बस थी। इस हादसे में उसके हाथों और पैरों की हड्डियों में फ्रैक्चर हो गया।

रोहतक की टीम ने हासिल किया दूसरा स्थान

राज्य स्तरीय मुआय थाई प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रही फरीदाबाद की टीम, पुरस्कार देकर सम्मानित

- मैलेंट ट्री स्कूल महम में हुई मुआय थाई खेल स्पर्धा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

टैलेंट ट्री स्कूल महम में तृतीय राज्य स्तरीय मुआय थाई प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों में खेल भावना, अनुशासन और गजब का जोश देखने को मिला। मुआय थाई स्पोर्ट्स एसोसिएशन हरियाणा के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में राज्य के विभिन्न जिलों से लगभग 350 खिलाड़ियों ने भाग लिया। दूसरे दिन की मुख्य अतिथि शकुंतला बेनीवाल निदेशक, खेल विभाग, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रही। विशिष्ट अतिथि के रूप में बेरी गोशाला के उपाध्यक्ष राजीव मित्तल शामिल हुए। शकुंतला बेनिवाल ने कहा कि मुआय थाई जैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेलों को हरियाणा में बढ़ावा देना समय की मांग है, जिससे युवा फिटनेस, अनुशासन और आत्मविश्वास की दिशा में आगे बढ़ सकें। विद्यालय के प्रधानाचार्य आदित्य श्रीवास्तव ने बताया कि मुआय थाई एक वैश्विक स्तर का खेल है जिसे ओलंपिक की मान्यता प्राप्त है और यह युवाओं में तेज़ी से लोकप्रिय हो रहा है। उन्होंने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों की मेहनत, लग्न और खेल भावना की सराहना की। साथ ही उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर फरीदाबाद टीम ने प्रथम स्थान, रोहतक टीम ने द्वितीय स्थान तथा हिसार टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त कर बाजी मारी। टैलेंट ट्री विद्यालय के 24 खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया जिनमें से 15 ने पदक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। प्रबंधन समिति ने सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

महम। विजेता टीम के खिलाड़ियों को ट्रॉफी प्रदान करते मुख्य अतिथि व खेल की आयोजन समिति के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

न्यूज डायरी

मां केवल शब्द नहीं, बल्कि सम्पूर्ण सृष्टि

रोहतक। सांगवान इंटरनेशनल में मातृशक्ति के सम्मान में भव्य आयोजन अत्यंत उत्साह और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। कक्षा छठी से बारहवीं तक के विद्यार्थियों के मध्य आयोजित अंतर सदनीय कविता पाठ प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने मातृत्व, प्रेम, बलिदान और नारीशक्ति जैसे भावनात्मक विषयों पर कविताएं प्रस्तुत की। इस प्रतियोगिता में बत्रा स्क्वाड्रन ने प्रथम, मोनाकॅशा स्क्वाड्रन ने द्वितीय तथा करियप्पा स्क्वाड्रन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में माताओं ने संगीत, नृत्य, रैंप वॉक, फन गेम्स जैसी विविध गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। निर्णायक मंडल की भूमिका उप प्रधानाचार्या ऋतु विज, सुनीता सांगवान, रश्मि, रेखा, सपना परमार व अनुराग ने निभाई। मंच संचालन मोनिका लठवाल, मोनिका ढल, मानसी, सरोज, वीना कालरा व कक्षा सातवीं के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। प्रधानाचार्या मनीषा सांगवान ने संगीत, नृत्य, रैंप वॉक, फन गेम्स प्रतिस्पर्धाओं में विजेता मातृ शक्तियों को स्मृति चिन्ह उपहार स्वरूप भेंट किए। उन्होंने कहा कि मां केवल एक शब्द नहीं, बल्कि एक सम्पूर्ण सृष्टि है। मातृ शक्ति समाज की रीढ़ है, वही समाज की निर्माता है। उन्होंने सभी को मातृ दिवस की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक राजेश सांगवान, प्रधानाचार्या मनीषा सांगवान, समन्वयक प्रमिला सांगवान, एडमिन हेड मीनू हुड्डा आदि उपस्थित रहे।

मातृ दिवस पर बच्चों ने बनाएं ग्रीटिंग कार्ड

सांपला। भैंसरु खुर्द मेघाराम पब्लिक स्कूल में मातृ दिवस के अवसर पर एक भव्य और उत्साहपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष दिन को यादगार बनाने के लिए स्कूल परिसर में भाषण प्रतियोगिता सहित विभिन्न गतिविधियां कराई गई। कार्यक्रम की शुरुआत मां के प्रति सम्मान और उनके अथाह प्रेम को समर्पित भावपूर्ण प्रस्तुतियों के साथ हुई। भाषण स्पर्धा में बच्चों ने मातृ दिवस के महत्व, मां के त्याग, समर्पण और समाज में उनकी भूमिका पर अपने विचार रखे। बच्चो ने मां के नाम ग्रीटिंग कार्ड बनाए। प्राचार्य नसीब सिंह ने स्कूल द्वारा माताओं को उनके अमूल्य योगदान के लिए सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि , मातृ दिवस का आधुनिक संस्करण 20वीं सदी की शुरुआत में शुरू हुआ, जब अमेरिका की अन्ना जार्विस ने अपनी मां के प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए इस दिन को मनाने की पहल की थी। साल 1914 में अमेरिकी राष्ट्रपति वुडरो विल्सन ने इसे राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया और तब से यह दिन विश्व भर में माताओं के प्रति कृतज्ञता और प्रेम व्यक्त करने का प्रतीक बन गया है। इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

मां का रिश्ता सभी से ऊपर : राजेश जैन

रोहतक। एलपीएस बोसार्ड द्वारा सोनीपत रोड स्थित निजी होटल में मदर्स डे बड़ी धूमधाम से मनाया गया। जिसकी अध्यक्षता एलपीएस बोसार्ड के एमडी राजेश जैन ने की। मीडिया प्रभारी राजीव जैन ने बताया कि यह कार्यक्रम राजेश जैन की माता सुशीला देवी जैन की स्मृति व मदर्स डे के उपलक्ष में मनाया गया, जिसमें 240 से अधिक महिलाओं ने बच्चों सहित भाग लिया। कार्यक्रम में तंबोला व अन्य खेल खिलाए गए। साथ ही पंजाबी गानों की भी धूम रही। राजेश जैन ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। उन्होंने कहा कि लोग मम्मी को अम्मा, आयीं, मोम आदि कई नामों से पुकारते हैं, पर सभी नाम उसी एक पवित्र रिश्ते से जुड़े है, जिसमें से अपनी धरती मां भी एक है। मां का कोई विकल्प नहीं है, मां का रिश्ता सभी रिश्तों से ऊपर है। इस अवसर पर महिलाओं ने अपने मातृत्व के अनुभव सांझे किए। इस मौके पर प्रीति बंसल, नरेश जैन, पल्लवी, तुषार, राजीव जैन, सन्नी निझावन, शीतल आदि मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से
साईज | संस्करण | विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी | स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर | रु. 2500/- रु. 3000/-
+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

आतंकियों के ठिकानों को नष्ट कर दिया मुंह तोड़ जवाब

विकसित भारत के निर्माण मे प्रतिभावान युवाओं की अहम भूमिका : महिपाल ढांडा

- पूरी दुनिया में भारत का विचार सर्वश्रेष्ठ
- हिन्दू केवल धर्म नहीं बल्कि जीवन जीने की श्रेष्ठ पद्धति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के सपने को साकार करने में देश के प्रतिभावान युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने कला प्रदर्शनी में हर विषय को गहराई से छुआ है। अद्भुत व अकल्पनीय कल का यहां प्रस्तुतीकरण किया गया है, जिसके आधार पर कहा जा सकता है कि भारत को विकसित राष्ट्र बनने से कोई नहीं रोक सकता। ये बात हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने दादा लखमीचंद स्टेट यूनिवर्सिटी परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट के वार्षिक कला प्रदर्शनी अवार्ड समारोह में बतौर मुख्य अतिथि विद्यार्थियों व स्टाफ को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में भारत का विचार सर्वश्रेष्ठ है। हिन्दू केवल धर्म नहीं बल्कि जीवन जीने की श्रेष्ठ पद्धति है। उन्होंने कहा कि दादा लखमीचंद जैसे ऐसे महान व्यक्ति के नाम से विश्वविद्यालय का नाम रखा गया है, जिसका पूरे विश्व में कोई मुकाबला नहीं है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि दादा लखमीचंद ने देश की प्रतिभा को निखारने का काम किया। मीडिया से बातचीत करते हुए शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि भारत के निहत्थे व निर्दोष लोगों की हत्या करने वाले आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब पाकिस्तान की धरती पर जाकर उनके ठिकानों को नष्ट करके दे दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो टूक शब्दों में कह दिया था कि भारत आतंकियों को उनकी कल्पना से भी हटकर सजा देगा।

रोहतक। विद्यार्थियों विजुअल आर्ट के वार्षिक कला प्रदर्शनी के अवार्ड देकर सम्मानित करते शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा व पूर्व मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर ।

रोहतक। कार्यक्रम को सम्बोधित करते शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा।

प्रदर्शनी स्टॉलों का किया अवलोकन

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रकाश सिंह के साथ मुख्यातिथि ने सभी स्टॉलों का अवलोकन किया और प्रदर्शित कला कृतियों की बारीकियों को समझा। छात्रों की कलात्मक दक्षता से प्रभावित होकर महिपाल ढांडा ने विद्यार्थियों की कौशलता, दृष्टिकोण और पेशेवर सोच की सराहना की। विश्वविद्यालय सिर्फ कौशल ही नहीं, बल्कि दृष्टिकोण और उद्देश्य बोध भी विद्यार्थियों को दे रहा है, यह अपने आप में सराहनीय है।

विद्यार्थियों को किया पुरस्कृत

प्रदर्शनी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 18 विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। दृश्य कला संकाय अध्यक्ष विनय कुमार ने मंत्री महिपाल ढांडा को द्वितीय वर्ष की एनीमेशन छात्रा राशी द्वारा निर्मित एक हस्त निर्मित चित्रकला भेंट की। 300 से अधिक छात्रों की 1000 से अधिक कला कृतियों की महत्वपूर्ण श्रेणियों में जागरूकता, सामाजिक संदेश, चित्रण, विज्ञापन, तेल चित्रकला, ऐक्रेलिक पेंटिंग, स्थापना कला, साइट विशिष्ट कला, मिट्टी और फाइबर कला मूर्तियां, फोटोग्राफी, स्केचिंग, क्ले मॉडलिंग और स्टिल एवं लघु पेंटिंग आदि शामिल हैं। इसके अलावा संवर्धित वास्तविकता और आभासी वास्तविकता आधारित पेंटिंग भी प्रदर्शित की जा रही हैं।

दाखिले समाप्त होने से पहले बस्तों में डाली किताबें

शिक्षा मंत्री ने कहा कि हरियाणा देश का पहला ऐसा राज्य है, जिसने वर्ष 2025 में ही नई शिक्षा नीति को क्रियान्वित कर दिया है। स्कूलों में दाखिले समाप्त होने से पूर्व ही विद्यार्थियों के बस्तों में किताबें डाल दी गई हैं। बच्चें अब बायोलॉजी, फिजिक्स व केमिस्ट्री जैसे विषय अभी अपनी मातृभाषा में पढ़ सकते हैं। विभिन्न विषयों की पढ़ाई में अब भाषा को आड़े नहीं आने दिया जाएगा।

प्रदर्शनी के माध्यम से दिया प्रभावशाली संदेश

हरियाणा के पूर्व मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर ने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अपने हुनर पर ध्यान दें और आत्मनिर्भर कलाकार बनने की दिशा में प्रयास करें। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनियां कलाकारों को अपनी कला दुनिया के सामने लाने और अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी के माध्यम से विभिन्न प्रकार के संदेशों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया है, जो विषयवस्तु और प्रदर्शनी के उद्देश्य को स्पष्ट करता है। इस अवसर पर दादा लख्मी चंद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रकाश सिंह, कुलसचिव डॉ. गुंजन मालिक, डीन अकादमिक डॉ अजय कौशिक, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष रमेश भाटिया, सुखबीर चंदोलिया, आशा रानी, अंकुश बिट्टू, विकास रोहिल्ला, ईश्वर सिंघल, विकास बंसल, रवि नागपाल, स्वराज हुड्डा, वजीर खोखर तथा सभी संकाय समन्वयक और दृश्य कला विभाग के संकाय सदस्य भी मौजूद रहे।

खेलो इंडिया गेम्स का ट्रायल कल पलवल में

रोहतक। सातवें संस्करण के खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में पहली बार आयोजित हो रहे खेलो इंडिया बीच कबड्डी और खेलो इंडिया बीच सेपक टकरा यूथ गेम्स का आयोजन 19 से 24 मई तक दीव में भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा आयोजित करवाए जाएंगे। जिला खेल अधिकारी मनोज कुमार ढुल ने बताया कि बिच कबड्डी में कुल बारह (छह लड़कों व छह लड़कियों), इसके साथ ही बीच सेपक टकरा में तीन लड़कों और 12 लड़कियों का चयन खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 के लिए किया जाएगा। रोहतक सहित हरियाणा के सभी जिलों के इच्छुक खिलाड़ी 13 मई (मंगलवार) को पलवल जिले में स्थित सुभाष खेल परिसर में आयोजित होने वाली ट्रायल में हिस्सा लें।

एडवाइजरी : पुलिस अधिकारी बनकर फोन करने वालों से रहें सावधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र बिजारणिया ने आमजन को साइबर ठगी से बचने के लिए सावधान रहने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति पुलिस अधिकारी, ईडी या सीबीआई अधिकारी बनकर ऑनलाइन माध्यम से रुपये की मांग करता है, तो सावधान हो जाएं क्योंकि ऐसा करने पर आप साइबर ठगी का शिकार हो सकते हैं। आमजन को साइबर ठगी से बचने के लिए सावधान रहना चाहिए और अनजान व्यक्ति की बातों में आकर रुपये की ट्रांसफर न करनी चाहिए। यदि आप साइबर ठगी का शिकार हो जाते हैं, तो तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें और नजदीकी थाने में शिकायत दर्ज कराएं।

साइबर ठगी के तरीके

साइबर अपराधी विभिन्न तरीकों से लोगों को साइबर ठगी का शिकार बनाते हैं, जिनमें शामिल हैं फर्जी गिरफ्तार वारंट साइबर ठग सीबीआई अधिकारी बनकर फर्जी गिरफ्तार वारंट जारी कर पीड़ित को डराते और धमकाते हैं। ठग पार्सल की झूठी जानकारी पीड़ित के साथ शेयर करते हैं और डराकर पैसे हड़प लेते हैं।

ऐसे करें बचाव

आमजन को साइबर ठगी से बचने के लिए इन तरीकों का पालन करना चाहिए। अनजान व्यक्ति की बातों में आकर रुपये की ट्रांसफर न करें। यदि आप साइबर ठगी का शिकार हो जाते हैं, तो तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें। साइबर ठगी की शिकायत नजदीकी थाने में दर्ज कराएं।

काहनौर में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन 14 व 15 मई को

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जिला रेडक्रॉस समिति के अध्यक्ष एवं उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि गांव काहनौर के कम्युनिटी सेंटर में 14 तथा 15 मई को रेडक्रॉस भवन में वरिष्ठ नागरिकों के लिए जांच शिविर आयोजित किए जाएंगे। इनमें कानों की मशीन के लिए जांच की जाएगी। इसके साथ-साथ विभिन्न उपकरण दिए जाने हैं। शिविरों के लिए पंजीकरण का कार्य भी किया जा रहा है। काहनौर में अभी तक 500 से अधिक वरिष्ठ नागरिकों का पंजीकरण हो चुका है और रोहतक शहर में भी 100 से अधिक का पंजीकरण किया जा चुका है। उपायुक्त ने ग्राम पंचायत, सामाजिक संगठनों, शहर के पार्षदों, सामाजिक कार्यकर्ताओं से अनुरोध किया कि उनके आसपास कोई भी वरिष्ठ नागरिक है, जिसे कानों से सुनाई नहीं देता वह उनकी सूची बनाकर रेडक्रॉस समिति को दे सकते हैं। डीसी ने आमजन से अपील की है कि इन शिविरों में वही लोग आएं जिनकी उम्र 60 साल से अधिक है और कानों से सुनाई नहीं देता है।

उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह

सैनिक कॉलोनी में हत्या के मामले में तीसरा आरोपी किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पुलिस ने सैनिक कॉलोनी में हुई बलजीत की हत्या के मामले में तीसरे आरोपी अर्जुन को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। प्रभारी थाना शहर राजकुमार ने बताया कि सात अप्रैल को पुलिस को सूचना मिली थी कि सैनिक कॉलोनी में एक युवक मृत अवस्था में पड़ा हुआ है। पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और मृतक की पहचान बलजीत निवासी उत्तराखंड के रूप में हुई।

पुलिस ने मामले की जांच के लिए एक टीम का गठन किया था, जिसने छापेमारी करते हुए आरोपी अर्जुन को गिरफ्तार किया। वारदात में शामिल दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है और जल्द ही सभी आरोपियों को सजा दिलाने का प्रयास करेगी। आरोपी अर्जुन का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड है और उसके खिलाफ पानीपत में मामला दर्ज है। पुलिस ने बताया कि बलजीत और अन्य तीनों आरोपी रात के समय पार्टी कर रहे थे, जिस दौरान बलजीत के साथ युवकों की कहासुनी हुई और लगी अंदरूनी चोटों के कारण बलजीत की मौत हो गई।

रोहतक। आरोपित पुलिस की गिरफ्त में

महम एसएचओ के तबादले को लेकर बैठक कल

जनप्रतिनिधियों के साथ बदसलूकी सहन नहीं की जाएगी: महंत सतीश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

सैमाण गांव के खेतों में हुई आगजनी की रिपोर्ट दर्ज न करने और राज्यसभा सांसद द्वारा भेजे गए जनप्रतिनिधियों के साथ दुर्व्यवहार करने से महम के भाजपा नेता महम के थाना प्रभारी से नाराज हैं। महम थाना प्रभारी का तबादला न होने से स्थानीय भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं में भारी रोष बना हुआ है। भाजपा नेता पहले तो यह सोच रहे थे कि सांसद जांगड़ा इस मामले में कोई ठोस कदम उठाएंगे। लेकिन कई दिन बीत जाने के बाद भी थाना प्रभारी का तबादला नहीं हुआ तो अब उन्होंने इस मामले को गंभीरता से लिया है।

तबादला न होने पर सीएम से मिलेंगे कार्यकर्ता

भाजपा के वरिष्ठ नेता महंत सतीश दास ने बताया कि मंगलवार को महम थाना प्रभारी सत्यपाल सिंह के तबादले को लेकर सतगुरु कुटिया महम में भाजपा कार्यकर्ताओं की एक बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में यह निर्णय लिया जाएगा कि यदि पुलिस महकमे के उच्च अधिकारी या राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा यदि महम के थाना प्रभारी को यहां से ट्रांसफर करवाते हैं, तो ठीक है वरना इस संबंध में स्थानीय भाजपा कार्यकर्ता मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से चंडीगढ़ में उनके आवास पर मुलाकात करेंगे और पूरे मामले की जानकारी दी जाएगी कि किस प्रकार थाना प्रभारी ने राज्यसभा सांसद द्वारा फोन किए जाने के बाद थाने में गए लोगों के साथ बदसलूकी की है जो सहन नहीं होगी। भाजपा कार्यकर्ता किसी भी सूरत में थाना प्रभारी को अब महम में नहीं टिकने देंगे।

कार्यक्रम पीजीआईएमएस के एनाटॉमी विभाग में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

ओटो-राइनो-लैरिंगोलोजी में सटीकता का दिया प्रशिक्षण

- कार्यशाला में हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश, यूपी, राजस्थान व महाराष्ट्र से चिकित्सक हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के एनाटॉमी विभाग के विच्छेदन हाल में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला पीजीआई के ईएनटी विभाग, एनाटॉमी विभाग और शहर के एक ईएनटी कैंसर सेंटर द्वारा एओआई हरियाणा शाखा के तत्वाधान में आयोजित की गई। इस कार्यशाला के बारे में जानकारी देते हुए डॉ विकास कक्कड़ ने बताया कि उनके अस्पताल द्वारा शनिवार में रविवार को यह दो दिन का यह जीनेक्स्ट ईएनटी सर्जन्स कार्यक्रम रखा गया था। उन्होंने बताया कि इस दो दिवसीय कार्यशाला का विषय पिन्ना से पेट्रस तक ओटो-राइनो-लैरिंगोलोजी में सटीकता रखा गया था। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि के तौर पर शनिवार को पीजीआई के निदेशक डॉक्टर एस के सिंघल उपस्थित हुए थे। डॉ एस के सिंघल ने चिकित्सकों को प्रोत्साहित करते हुए उनकी सरहाना की। उन्होंने ईएनटी विभाग व प्राइवेट अस्पताल की प्रशंसा की।

डॉ विकास कक्कड़ ने बताया कि यह 10 और 11 मई, 2025 को एनाटॉमी विभाग, डिसेक्शन हॉल, पीजीआईएमएस रोहतक में आयोजित किया गया था और इसमें ईएनटी विभाग एनाटॉमी विभाग फोरेंसिक विभाग ने अपनी उपस्थिति दर्ज की। डॉ कक्कड़ ने बताया कि उन्होंने कार्यशाला के दौरान ओटो-राइनो-लैरिंगोलोजी में सटीकता में निपुणता पर प्रशिक्षण दिया। उन्होंने पीजीआई में यह कार्यशाला आयोजित करवाने के लिए पीजीआई के निदेशक वह सभी विभागों का धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला में हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश, यूपी, राजस्थान व महाराष्ट्र से चिकित्सक शामिल हुए। डॉ विकास कक्कड़, डॉक्टर पासी, डॉ क्षितिज, डॉ भूषण कथूरिया और डॉक्टर विनीत पांचाल ने टेंपोरल बोन के ऑपरेशन करके दिखाएं। उन्होंने बताया कि कार्यशाला के दौरान कान की अन्य बीमारियों के इलाज के बारे में भी बताया गया। कार्यशाला के दौरान हरियाणा मेडिकल काउंसिल के रजिस्ट्रार डॉ मनदीप सचदेवा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ रमेश चंद्र, ईएनटी विभाग अध्यक्ष डॉक्टर जगत सिंह, एनाटॉमी विभाग अध्यक्ष डॉक्टर सुरेश कांता राठी, फॉरेंसिक मेडिसिन विभाग अध्यक्ष डॉक्टर एस के धतरवाल,डॉ रमन बडेरा, डॉक्टर विजय, प्राइवेट अस्पताल के डायरेक्टर राज कपूर, वर्ल्ड कॉलेज के डीन डॉक्टर जेसी पासी, डॉ आदित्य भार्गव, साइन हॉस्पिटल मुंबई से डॉक्टर क्षितिज शाह, डॉ भूषण कथूरिया ,करनाल से डॉक्टर विनीत पांचाल , भिवानी से डॉक्टर रूपेंद्र रंगा आदि कई चिकित्सक उपस्थित रहे।